



بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ



إِنَّا نَحْنُ نَزَّلْنَا الذِّكْرَ وَإِنَّا لَهُ لَحَافِظُونَ

این مصحف شریف، شامل: سی جزء کامل

و با مشخصات:

|                    |                                                                                |
|--------------------|--------------------------------------------------------------------------------|
| خطاط               | : عثمان طه                                                                     |
| نوع خط             | : نسخ                                                                          |
| مترجم              | : مهدی الهی قمشه ای                                                            |
| نوع ترجمه          | : زیرنویس                                                                      |
| زبان ترجمه         | : فارسی                                                                        |
| فصل                | : وزیر (اندازه متن: ۱۳ × ۱۹)                                                   |
| داداد بطور هر صفحه | : سیزده                                                                        |
| تعداد صفحات قرآن   | : ۶۰۴ (تعداد صفحات قبل از متن: ۵- تعداد صفحات بعد از متن: ۷- مجموع صفحات: ۶۱۶) |
| نوبت چاپ           | : اول                                                                          |
| محل چاپ و چاپخانه  | : تهران- هادی                                                                  |
| تعداد              | : ده هزار جلد                                                                  |

در تاریخ ۱۳۹۷/۹/۱۷ از جهت سخت ستابت، منطبق با قرائت عاصم به روایت حفص معاونت نظارت بر چاپ و نشر قرآن کریم سازمان دارالقرآن الکریم بررسی و تصحیح گردید مراتب در پرونده شماره (۰۶۰۹۱۰۳۱۱۰۳۱۳۰۶۰۴۳۰) ثبت و چاپ آن توسط انتشارات قلم بصیر با رعایت مقررات اعلام شده از سوی وزارت فرهنگ و ارشاد اسلامی بلامانع می باشد لازم به ذکر است انتشار این مصحف شریف پس از چاپ منوط به دریافت مجوز (توزیع) و تجدید چاپ آن مشروط به تأیید مجدد و صدور مجوز کتبی معاونت نظارت بر چاپ و نشر قرآن کریم این سازمان خواهد بود.

مهدی قره شیخلو  
رئیس سازمان دارالقرآن الکریم



## فَهْرَسْتُ بِأَسْمَاءِ السُّورِ وَبَيَانِ الْبَيَانِ وَمِنْهَا

| السُّورَة | رَقْعُهَا | الصفحة | البيان | السُّورَة | رَقْعُهَا | الصفحة | البيان |
|-----------|-----------|--------|--------|-----------|-----------|--------|--------|
| الفاتحة   | ١         | ١      | مكية   | العنكبوت  | ٢٩        | ٣٩٦    | مكية   |
| البقرة    | ٢         | ٢      | مدنية  | الرُّوم   | ٣٠        | ٤٠٤    | مكية   |
| آل عمران  | ٣         | ٥٠     | مدنية  | لقمان     | ٣١        | ٤١١    | مكية   |
| النساء    | ٤         | ٧٧     | مدنية  | السجدة    | ٣٢        | ٤١٥    | مكية   |
| المائدة   | ٥         | ١٠٦    | مدنية  | الأحزاب   | ٣٣        | ٤١٨    | مدنية  |
| الأنعام   | ٦         | ١٢٨    | مكية   | سبا       | ٣٤        | ٤٢٨    | مكية   |
| الأعراف   | ٧         | ١٥١    | مكية   | فاطر      | ٣٥        | ٤٣٤    | مكية   |
| الأنفال   | ٨         | ١٧٧    | مدنية  | يسر       | ٣٦        | ٤٤٠    | مكية   |
| التوبة    | ٩         | ١٨٧    | مدنية  | الصافات   | ٣٧        | ٤٤٦    | مكية   |
| يونس      | ١٠        | ٢٠٨    | مكية   | ص         | ٣٨        | ٤٥٣    | مكية   |
| هود       | ١١        | ٢٢١    | مكية   | الرؤس     | ٣٩        | ٤٥٨    | مكية   |
| يوسف      | ١٢        | ٢٣٥    | مدنية  | نفاير     | ٤٠        | ٤٦٧    | مكية   |
| الرعد     | ١٣        | ٢٤٩    | مدنية  | فصم       | ٤١        | ٤٧٧    | مكية   |
| إبراهيم   | ١٤        | ٢٥٥    | مكية   | نبي       | ٤٢        | ٤٨٣    | مكية   |
| الحجر     | ١٥        | ٢٦٢    | مكية   | الزخرف    | ٤٣        | ٤٨٩    | مكية   |
| التحل     | ١٦        | ٢٦٧    | مكية   | الدخان    | ٤٤        | ٤٩٦    | مكية   |
| الإسراء   | ١٧        | ٢٨٢    | مكية   | الحاثة    | ٤٥        | ٤٩٩    | مكية   |
| الكهف     | ١٨        | ٢٩٣    | مكية   | الأحقاف   | ٤٦        | ٥٠١    | مكية   |
| مريم      | ١٩        | ٣٠٥    | مكية   | محمد      | ٤٧        | ٥٠١    | مدنية  |
| طه        | ٢٠        | ٣١٢    | مكية   | الفتح     | ٤٨        | ٥١١    | مدنية  |
| الأنبياء  | ٢١        | ٣٢٢    | مكية   | الحجرات   | ٤٩        | ٥١٥    | مدنية  |
| الحج      | ٢٢        | ٣٣٢    | مدنية  | ق         | ٥٠        | ٥١٨    | مكية   |
| المؤمنون  | ٢٣        | ٣٤٢    | مكية   | الذاريات  | ٥١        | ٥٢٠    | مكية   |
| النور     | ٢٤        | ٣٥٠    | مدنية  | الطور     | ٥٢        | ٥٢٣    | مكية   |
| الفرقان   | ٢٥        | ٣٥٩    | مكية   | التجم     | ٥٣        | ٥٢٦    | مكية   |
| الشعراء   | ٢٦        | ٣٦٧    | مكية   | القمر     | ٥٤        | ٥٢٨    | مكية   |
| التمل     | ٢٧        | ٣٧٧    | مكية   | الرحمن    | ٥٥        | ٥٣١    | مدنية  |
| الفصص     | ٢٨        | ٣٨٥    | مكية   | الواقعة   | ٥٦        | ٥٣٤    | مكية   |

| السُّورَة | رَقْمُهَا | الصَّفْحَة | البَيَان   | السُّورَة | رَقْمُهَا | الصَّفْحَة | البَيَان   |
|-----------|-----------|------------|------------|-----------|-----------|------------|------------|
| الحديد    | ٥٧        | ٥٣٧        | مَدَنِيَّة | الطارق    | ٨٦        | ٥٩١        | مَكِّيَّة  |
| المجادلة  | ٥٨        | ٥٤٢        | مَدَنِيَّة | الأعلى    | ٨٧        | ٥٩١        | مَكِّيَّة  |
| الحشر     | ٥٩        | ٥٤٥        | مَدَنِيَّة | الغاشية   | ٨٨        | ٥٩٢        | مَكِّيَّة  |
| الممتحنة  | ٦٠        | ٥٤٩        | مَدَنِيَّة | الفجر     | ٨٩        | ٥٩٣        | مَكِّيَّة  |
| الصف      | ٦١        | ٥٥١        | مَدَنِيَّة | البلد     | ٩٠        | ٥٩٤        | مَكِّيَّة  |
| الجمعة    | ٦٢        | ٥٥٣        | مَدَنِيَّة | الشمس     | ٩١        | ٥٩٥        | مَكِّيَّة  |
| المنافقون | ٦٣        | ٥٥٤        | مَدَنِيَّة | الليل     | ٩٢        | ٥٩٥        | مَكِّيَّة  |
| التغابن   | ٦٤        | ٥٥٦        | مَدَنِيَّة | الضحى     | ٩٣        | ٥٩٦        | مَكِّيَّة  |
| الطلاق    | ٦٥        | ٥٥٨        | مَدَنِيَّة | الشرح     | ٩٤        | ٥٩٦        | مَكِّيَّة  |
| الحرع     | ٦٦        | ٥٦٠        | مَدَنِيَّة | التين     | ٩٥        | ٥٩٧        | مَكِّيَّة  |
| الذاريات  | ٦٧        | ٥٦٢        | مَكِّيَّة  | العلق     | ٩٦        | ٥٩٧        | مَكِّيَّة  |
| القدر     | ٦٨        | ٥٦٤        | مَكِّيَّة  | القدر     | ٩٧        | ٥٩٨        | مَكِّيَّة  |
| الحاقة    | ٦٩        | ٥٦٦        | مَكِّيَّة  | البينة    | ٩٨        | ٥٩٨        | مَدَنِيَّة |
| المعارج   | ٧٠        | ٥٦٦        | مَكِّيَّة  | الزلزلة   | ٩٩        | ٥٩٩        | مَدَنِيَّة |
| نوح       | ٧١        | ٥٦٦        | مَكِّيَّة  | العاديات  | ١٠٠       | ٥٩٩        | مَكِّيَّة  |
| الجن      | ٧٢        | ٥٧٢        | مَكِّيَّة  | القارعة   | ١٠١       | ٦٠٠        | مَكِّيَّة  |
| الزمل     | ٧٣        | ٥٧٤        | مَكِّيَّة  | النكاثر   | ١٠٢       | ٦٠٠        | مَكِّيَّة  |
| المدثر    | ٧٤        | ٥٧٥        | مَكِّيَّة  | العصر     | ١٠٣       | ٦٠١        | مَكِّيَّة  |
| القيامة   | ٧٥        | ٥٧٧        | مَكِّيَّة  | المعة     | ١٠٤       | ٦٠١        | مَكِّيَّة  |
| الإنسان   | ٧٦        | ٥٧٨        | مَدَنِيَّة | نميا      | ١٠٥       | ٦٠١        | مَكِّيَّة  |
| المرسلات  | ٧٧        | ٥٨٠        | مَكِّيَّة  | قريش      | ١٠٦       | ٦٠٢        | مَكِّيَّة  |
| النبا     | ٧٨        | ٥٨٢        | مَكِّيَّة  | الماعون   | ١٠٧       | ٦٠٢        | مَكِّيَّة  |
| التازعات  | ٧٩        | ٥٨٣        | مَكِّيَّة  | الكوثر    | ١٠٨       | ٦٠٢        | مَكِّيَّة  |
| عبس       | ٨٠        | ٥٨٥        | مَكِّيَّة  | الكافرون  | ١٠٩       | ٦٠٣        | مَكِّيَّة  |
| التكوير   | ٨١        | ٥٨٦        | مَكِّيَّة  | النصر     | ١١٠       | ٦٠٣        | مَدَنِيَّة |
| الانفطار  | ٨٢        | ٥٨٧        | مَكِّيَّة  | المسد     | ١١١       | ٦٠٣        | مَكِّيَّة  |
| المطففين  | ٨٣        | ٥٨٧        | مَكِّيَّة  | الإخلاص   | ١١٢       | ٦٠٤        | مَكِّيَّة  |
| الانشقاق  | ٨٤        | ٥٨٩        | مَكِّيَّة  | الفلق     | ١١٣       | ٦٠٤        | مَكِّيَّة  |
| البروج    | ٨٥        | ٥٩٠        | مَكِّيَّة  | الناس     | ١١٤       | ٦٠٤        | مَكِّيَّة  |